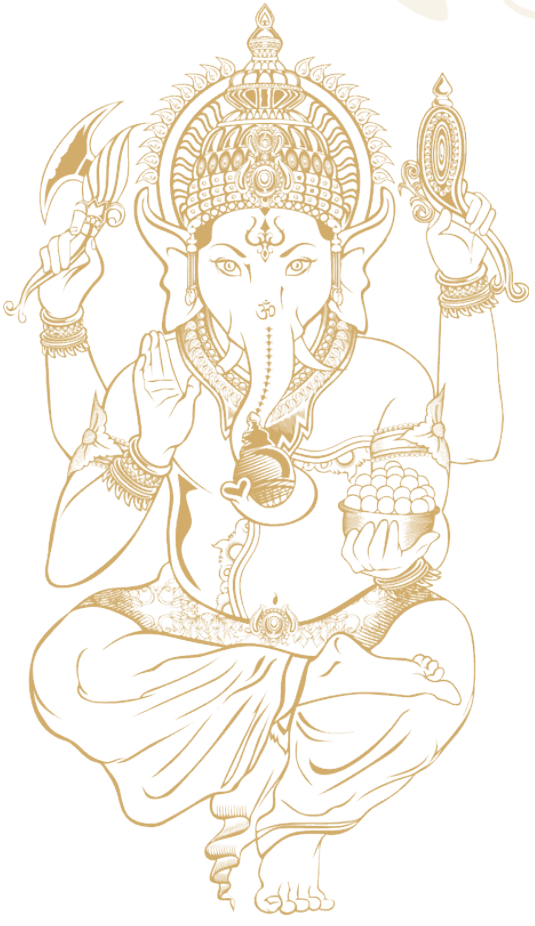

Vikram singh

Anjali devi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121540610

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/03/2001	जन्म तिथि	10/11/2005
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 18:35:00	जन्म समय	12:28:00 घंटे
घटी 29:18:00	जन्म समय(घटी)	13:51:21 घटी
India	देश	India
Udhampur	स्थान	Delhi
32:56:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:08:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:28	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:51:48	सूर्योदय	06:40:03
18:30:12	सूर्यास्त	17:29:58
23:52:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 12वर्ष 9मा 0दि	23:59:10	सिंह	लग्न	मक	14:35:05	राहु 13वर्ष 6मा 24दि
बुध	22:09:16	कुंभ	सूर्य	तुला	24:02:40	गुरु
06/12/2013	07:43:04	कर्क	चंद्र	कुंभ	09:57:01	05/06/2019
06/12/2030	15:59:48	वृश्चि	मंगल व	मेष	20:02:32	05/06/2035
बुध 04/05/2016	25:14:17	मक	बुध	वृश्चि	15:56:24	गुरु 24/07/2021
केतु 01/05/2017	09:54:56	वृष	गुरु	तुला	09:20:53	शनि 04/02/2024
शुक्र 01/03/2020	23:44:02	मीन	शुक्र	धनु	10:52:54	बुध 12/05/2026
सूर्य 05/01/2021	01:41:00	वृष	शनि	कर्क	17:14:14	केतु 18/04/2027
चन्द्र 07/06/2022	19:41:38	मिथु व	राहु	मीन	19:14:21	शुक्र 17/12/2029
मंगल 04/06/2023	19:41:38	धनु व	केतु	कन्या	19:14:21	सूर्य 05/10/2030
राहु 21/12/2025	28:22:09	मक	हर्ष व	कुंभ	12:55:09	चन्द्र 04/02/2032
गुरु 28/03/2028	13:47:58	मक	नेप	मक	20:56:16	मंगल 10/01/2033
शनि 06/12/2030	21:22:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	29:05:09	राहु 05/06/2035

लग्न-चलित

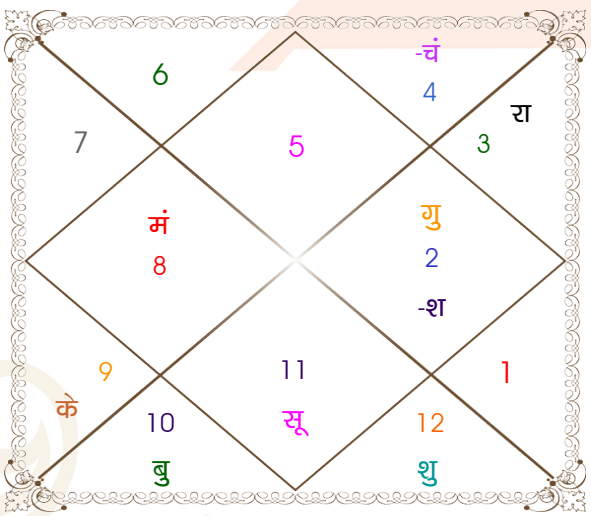

लग्न-चलित

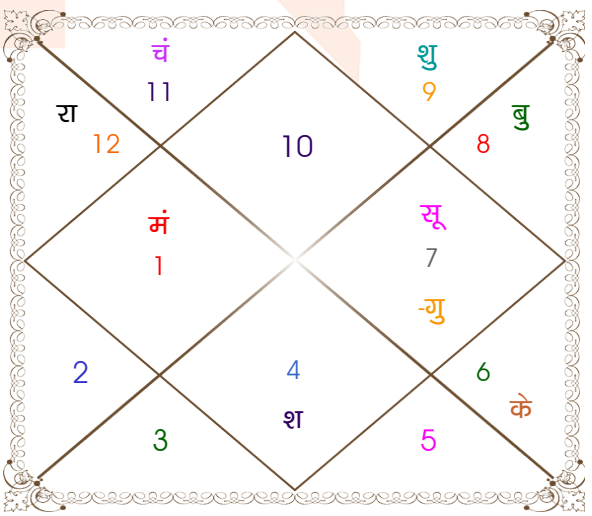

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

टपातंउे पदही का वर्ग मेष है तथा ।दरंसप कमअप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपातंउे पदही और ।दरंसप कमअप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

टपातंउे पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल टपातंउे पदही कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल टपातंउे पदही कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।दरंसप कमअप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दरंसप कमअप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दरंसप कमअप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।दरंसप कमअप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु टपातंउे पदही कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपातंउे पदही तथा ।दरंसप कमअप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।